वार्तालाप – 294 वी.एस्.पी तारीख – 14.4.07

Disc.CD-294, dated 14.4.07 at VSP

समय: 42.00

जिज्ञासु – बाबा, ये हिंदी न जानने के कारण भाई–बहनों को बहुत तकलीफ हो रहा है।

बाबा – ये शिकायत नहीं कर सकते। बाबा के पास ऐसे-ऐसे सैम्पल भी हैं, विदेश में रहते हैं, सारी जिंदगी विदेश में रहते हुए हो गई उनको। बाल-बच्चे पैदा किये, शादी की, कमाई की, घर बनाया, रहते हैं और ज्ञान में आने के बाद एक साल के अंदर-अंदर उन्होंने हिंदी सीख ली, मुरलियां पढ़ना सीख लिया, मुरली बोलना सीख लिया, क्लेरिफिकेशन करना सीख लिया और बातचीत करना सीख लिया, लेटर लिखना सीख लिया। और मुरलियों की पढ़ाई पढ़कर उसमें से अलग-अलग करना सीख लिया। कौनसी मुरली ब्रह्माकुमारियों के लिए है, कौनसी मुरली प्रजापिता ब्रह्माकुमार-कुमारियों के लिए है, कौनसी मुरली साधारण पब्लिक के लिये है। एक साल के अन्दर।

Time: 36.25

Student: Baba, many brothers and sisters are facing a lot of difficulties because of not knowing Hindi.

Baba: They cannot make this complaint. Baba also has many such samples, who live in the foreign countries; they spent their entire life living abroad. They gave birth to their children, got married, earned income, built house, they live there and after entering the path of knowledge, within a year they learnt Hindi, learnt to read *Murlis*, learnt to narrate *Murlis*, learnt to give clarifications and learnt to speak, learnt to write letters in Hindi. And after studying the *Murlis* they learnt to separate and group them, which murlis are for the Brahmakumaris, which *murlis* are for the Prajapita Brahmakumar-Kumaris, which *Murlis* are for the general public, within a year.

आप कहेंगे, 'अरे, वो विदेशी तो तीखी बुद्धि वाले होते हैं। उनकी तो बात छोड़ दो।' आन्ध्र प्रदेश में ले लो इंडियन्स की बात। एडवांस की भट्ठी करने के पहले क, ख, ग, घ, नहीं जानते थे। क्या? अ, आ, इ, ई, उ, ऊ नहीं, बाराखड़ी नहीं जानते थे। हिंदी का एक शब्द नहीं बोल सकते थे। और एक साल के अन्दर भाषण देना शुरू कर दिया। करनेवाला क्या नहीं कर सकता है।

You will say: Arey, those foreigners have a sharp intellect. Leave their subject. (OK) Take the case of Indians in Andhra Pradesh. Prior to doing the *bhatti* of advance (party) they did not know *ka, kha, ga, gha* (consonants of Hindi alphabets). What? They did not know *a, aa, e, ee, u, oo* (12 vowels among Hindi alphabets), the twelve vowels. They weren't able to speak even a single word of Hindi; and within a year they started giving lectures. If someone wants to do something, what is it that he can't do?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- जब बाप साथ है तो.....

बाबा – बाप क्या भाग रहा है क्या साथ देने के लिये? कि नहीं तुम्हारे साथ नहीं रहेगें? औरों के साथ ही रहेगा?

जिज्ञासु – इसके लिये कुछ तरीका निकालना पड़ेगा।

बाबा – क्या तरीका निकालना पड़ेगा? सबसे बढ़िया तरीका है, वो सब जानते हैं, दुनिया में हरेक आदमी जानता है। हर भाषा का जो विद्वान होगा, टीचर होगा वो जानता है कि सोसायटी चेंज करने से भाषा जल्दी आ जाती है। ये क्या बड़ी बात है। आदमी ऐसे सोसायटी में नहीं रह सकता जहां हिंदी बोलने वाले हों? ऐसी सोसायटीज नहीं होती हैं? बड़े-बड़े शहरों में तो और ही अलग-अलग सोसायटी के लोग इकट्ठे होकर रहते हैं।

Student: When the Father is with us…
Baba: Is the Father running away from giving you help? That, He will not stay with you, he will stay only with the others?
Student: Some way has to be found out for this.
Baba: What way will have to be found out? The best method which is known to everyone; every person of the world knows it. The scholar, teacher of every language knows that you learn the language quickly by changing the society. What is a big deal in it? Can't a person live in a society where there are people who speak Hindi? Are there not such societies? In the big cities people of different societies live together even more.

जिज्ञासु – बड़े-बड़े शहरों में हो सकता है बाबा, लेकिन छोटे-छोटे गांवों में ऐसा बहुत मुश्किल होता है।

बाबा – क्यों मुश्किल हो जाएगी? तो गांव की प्रापर्टी बेच कर शहरों में नहीं ले ली जाती है क्या? आदमी आमादा हो जाए तो क्या नहीं कर सकता है? फैसला लेने की बात है, हमें भगवान का ही संग करना है, सत् का ही संग करना है। असत् का संग नहीं करना है।

Student: Baba, it is possible in big cities, but it is very difficult in small villages.
Baba: Why will it become difficult (in the villages)? So, don't people sell their property in the village and buy in the cities? If a person becomes determined (to do something) what is it that he can't do? It is just a question of taking a decision; we have to keep the company of only God; we have to keep the company of only the truth. We do not have to keep the company of falsehood.

जिज्ञासु – हिंदी नहीं जानने के कारण बहुत से माता और भाई लोग आपको कुछ प्रश्न पूछ नहीं पाते हैं बाबा।

बाबा – पक्का फैसला करलें, हमें हिंदी सीखनी ही सीखनी है, तो सीख नहीं सकता?

जिज्ञासु – पक्का फैसला करना जरूरी है।

जिज्ञासु-2 – सब लोग टी.वी में हिंदी सिनेमा देखते हे। हिंदी सीखने को मुश्किल है ये लोगों को। छोड़ दो। सब हिंदी टी.वी देखते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा – हां, हिंदी टी.वी देखते-देखते हिंदी सीख जाते हैं।

जिज्ञासु-2 – सिनेमा समझ में आता है और मुरली समझ में नहीं आता है।

बाबा – मुरली में लगाव नहीं है ना। टी.वी में लगाव है तो टी.वी देखते-देखते हिंदी सीख जाते हैं। नहीं, बहुत-सी मातायें भी ऐसी हैं जिन्होंने बाबा की हिंदी वाणी सुन-सुन कर हिंदी बोलना सीख लिया। वो टी.वी नहीं देखती हैं। वो कोई फिल्म देखने नहीं जाती हैं।

Student: Baba, many mothers and brothers are unable to ask you questions as they do not know Hindi.
Baba: If they decide firmly that they have to definitely learn Hindi in any way, can't they learn?
Student: It is necessary to make a firm decision.
Student-2: Everyone watches Hindi cinema on TV and they are finding it difficult to learn Hindi. Leave them. Everyone watches Hindi (programs on) TV.
Baba: Yes, people learn Hindi while watching Hindi (programs on) TV.
Student-2: They understand (Hindi used) in the cinema and they do not understand *Murli*.
Baba: They do not have any love for *Murli*, do they? They like TV; so, they learn Hindi while watching TV. No, there are also many such mothers who have learnt to speak Hindi by listening to Baba's Hindi *vani*. They do not watch TV. They do not go to see films.

तीसरा जिज्ञासु – ऐसे नहीं बाबा, मुरली में तो समझ में आता है। बाबा से बातचीत करना नहीं आता है।

बाबा – बाबा से बातचीत करना सीख लिया मुरली सुन-सुनकर।

तीसरा जिज्ञासु – यहां तो ऐसा है, मुरली समझ में आती है, ये माताओं को। बाबा से बात नहीं कर पाते।

बाबा – अमृतवेला बैठ कर कभी बाबा से हिंदी सीखना शुरू किया? बाबा से रूह-रिहान किया हिंदी में? पक्का फैसला कर लें कि हमको एक घण्टा बाबा से हिंदी में ही बोलना है। अच्छा कम से कम जब क्लास होता है, जो रोज-मर्रे का क्लास होता है, उसमें पक्का फैसला कर दें कि हिंदी ही बोलनी है, हिंदी में ही जवाब देना है।

Third student: It is not so Baba; they do understand the *Murli*. (But) they don't know to talk to Baba (in Hindi).
Baba: (There are some who) have learnt to talk to Baba by listening to *Murli*.
Third student: Here the case is that these mothers understand the *Murli*, but they are not able to speak to Baba (in Hindi).
Baba: Did you ever sit at *amritvela* and start learning Hindi from Baba? Did you do spiritual chit-chat with Baba in Hindi? If they make a firm decision: we have to talk to Baba only in Hindi daily for one hour. OK, they should decide to speak only in Hindi and reply only in Hindi at least in the class, the daily class.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – बाबा, क्लास में तेलगु में ट्रांसलेशन कर सकते हैं क्या जब बाबा की मुरली चलती हो?

बाबा – हां, हां, बाबा बोलते जाए एक वाक्य और उसका अनुवाद करता जाए कोई जो जानता है, अच्छा जानकार है तो।

जिज्ञासु – हिंदी.....

बाबा – तेलगु में ही अनुवाद करता जाए और किसमें? हिंदी का अनुवाद तेलगु में करेगा। तो क्या हुआ? खराब बात है?

जिज्ञासु – नहीं, अच्छी बात है।

Student: Baba, when Baba's *Murli* is being played in the class, can we translate it in Telugu (language)?
Baba: Yes, yes, play Baba's *Murli* sentence by sentence and someone who knows (translation), who knows it well should go on translating.
Student: Hindi….
Baba: He should go on translating in Telugu; in what other language? He will translate from Hindi to Telugu. So, what happened? Is it bad?
Student: No, it is good.

बाबा – अच्छी बात है। नहीं, कम से कम जब क्लास में आते हैं तब तो ये पक्का फैसला करें। सब ये पक्का मिलजुलकर ये फैसला कर लें, क्या? कि हमें क्लास में हिंदी ही बोलनी है।.....न बोलने वाले हैं वो टूटी-फूटी कम से कम हिंदी बोलें। फिर अंदर से देहभान आता है, अरे कोई हंसने लग पड़ेगा। बेइज्जती हो जाएगी। .....82 में एक महीने ढ़ महीने के लिए दक्षिण भारत में गए थे। वहां मद्रास में तो कोई हिंदी बोलता ही नहीं। एक महीने के अंदर अंग्रेजी बोलना शुरू कर दिया। उसके बाद अब फिर अड़चन महसूस होती है बोलने में। तो सोसायटी मूव करेंगे तो जल्दी आ जाएगी वो भाषा।

Baba: It is good. No, at least when they come to the class, they should make this firm decision, everyone should take a collective decision firmly; what? That we have to speak only in Hindi during the class……. Those, who do not speak, should at least speak broken Hindi (whatever little Hindi they know). Then body consciousness emerges in their mind from within, '*Arey*, someone may laugh (at us)'. I will be disgraced……I had been to South India for about a month or a month and a half in (19)82. There, nobody speaks Hindi at all in Madras. I started speaking English within a month. After that now I hesitate again to speak (in English). So, when we move to a different society, we will learn that language quickly. (Concluded)

……..……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info